https://kvsangathan.nic.in/ | @KVSHQ | @KVS_HQ | @kvshqr | KVS HQ

नई दिल्ली | के.वि.सं. (मु.)

संस्करण: मार्च 2026
वर्ष-1, अंक- 9
4 पृष्ठ

केन्द्रीय विद्यालय क्रॉनिकल

तत् त्वं पूषन् अपावृणु

** यह 'केन्द्रीय विद्यालय क्रॉनिकल' के अंग्रेज़ी संस्करण का हिंदी अनुवाद है।*

संपादकीय

भारत बोधन एआई और विद्यालयी शिक्षा का भविष्य : संभावनाएँ और सावधानी

शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित भारत बोधन एआई शिखर सम्मेलन भारत की शिक्षा प्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के विचारपूर्ण एकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संवाद और दिशा-निर्धारण के मंच के रूप में परिकल्पित इस सम्मेलन ने एक स्पष्ट संदेश दिया कि एआई का उपयोग शिक्षा में समानता, नैतिकता और उद्देश्य के साथ होना चाहिए विशेषकर विद्यालयी स्तर पर।

एआई में विद्यालयी शिक्षा को अधिक व्यक्तिगत और समावेशी बनाने की अपार क्षमता है। अनुकूलित शिक्षण प्रणालियाँ प्रत्येक विद्यार्थी में सीखने की कमियों की पहचान कर सकती हैं और विभेदित शिक्षण में सहायता प्रदान कर सकती हैं। एआई-सक्षम मूल्यांकन उपकरण समय पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं, जबकि बहुभाषी सामग्री वितरण भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करने में सहायक हो सकता है। शिक्षकों के लिए, एआई पाठ योजना बनाने, छात्र प्रगति के विश्लेषण और नियमित प्रशासनिक कार्यों में सहायता कर सकता है- जिससे उन्हें मार्गदर्शन, रचनात्मकता और विद्यार्थियों के समग्र विकास पर अधिक समय देने का अवसर मिलता है।

अवसरों और जोखिमों दोनों को ध्यान में रखते हुए, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने एक संतुलित और जिम्मेदार दृष्टिकोण अपनाया है। एआई पहलों को नई शिक्षा नीति 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप बनाया जा रहा है, ताकि प्रौद्योगिकी शिक्षक का पूरक बने, उसका स्थान न ले। एआई बोधन जैसे स्वदेशी और खुले मंच नैतिक, भारत-केंद्रित और सार्वजनिक हित पर आधारित एआई समाधानों पर बल देते हैं। शिक्षक क्षमता निर्माण, डिजिटल अवसंरचना को सुदृढ़ करना तथा विद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और प्रौद्योगिकी साझेदारों के बीच सहयोग इस दृष्टिकोण की आधारशिला हैं।

आगे की राह में सावधानीपूर्वक कार्यान्वयन आवश्यक है। शिक्षकों और विद्यालय प्रमुखों को केवल एआई उपकरणों के उपयोग में ही नहीं, बल्कि उनके शैक्षणिक महत्व का समालोचनात्मक मूल्यांकन करने में भी प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। विद्यार्थियों को आयु-उपयुक्त एआई साक्षरता, डिजिटल नैतिकता और जिम्मेदार प्रौद्योगिकी उपयोग से परिचित कराया जाना चाहिए। केन्द्रीय विद्यालय जैसे संस्थान एआई अनुप्रयोगों के परीक्षण, सर्वोत्तम प्रथाओं के दस्तावेजीकरण और पूरे विद्यालयी तंत्र में उन्हें साझा करने में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं।

इस चरण में कुछ सावधानियाँ अत्यंत आवश्यक हैं। विद्यार्थी डाटा की गोपनीयता, एल्गोरिदमिक पक्षपात, प्रौद्योगिकी तक असमान पहुँच और स्वचालित उपकरणों पर अत्यधिक निर्भरता जैसी वास्तविक चिंताओं का समाधान मजबूत सुरक्षा उपायों और स्पष्ट दिशा-निर्देशों के माध्यम से किया जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एआई शिक्षा के मूल मानवीय मूल्यों- संवेदनशीलता, जिज्ञासा और समालोचनात्मक सोच- को कभी कमजोर नहीं करना चाहिए।

एआई बोधन एक ऐसे भविष्य का संकेत देता है जहाँ प्रौद्योगिकी और शिक्षाशास्त्र साथ-साथ चलते हैं-जहाँ नवाचार का मार्गदर्शन विवेक करता है। यदि इसे सोच-समझकर लागू किया जाए, तो एआई भविष्य के लिए आत्मविश्वासी, सक्षम और संवेदनशील शिक्षार्थियों के निर्माण में एक सशक्त सहायक बन सकता है।

~ विकास गुप्ता, आईएएस
■ आयुक्त, के.वि.सं..

ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन : डिजिटल नवाचार के माध्यम से परीक्षा प्रणाली में परिवर्तन

सोमित श्रीवास्तव
■ *संयुक्त आयुक्त (शै.), के.वि.सं. (मु.)*

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने वर्ष 2026 में कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन हेतु एक प्रगतिशील सुधार लागू करने का निर्णय लिया है। फरवरी-मार्च 2026 में आयोजित होने वाली परीक्षाओं से 'ऑन-स्क्रीन मार्किंग (OSM)' प्रणाली लागू की जाएगी। मूल्यांकन प्रक्रिया में अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन को अपेक्षाकृत त्रुटिरहित बनाने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण और सराहनीय कदम माना जा रहा है।

सीबीएसई ने यह भी निर्णय लिया है कि शिक्षकों को मूल्यांकन के लिए अपेक्षाकृत कम उत्तर पुस्तिकाएँ आवंटित की जाएँगी, जिससे मूल्यांकन की गुणवत्ता में सुधार हो सके। इसके अंतर्गत शिक्षक अपने-अपने

विद्यालयों से निर्धारित समय के दौरान कंप्यूटर पर ही उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करेंगे। यद्यपि शिक्षक कितने ही अनुभवी क्यों न हों, फिर भी इस नई प्रणाली के साथ सहज होने और इसकी प्रक्रिया में दक्षता प्राप्त करने के लिए उन्हें अभ्यास और परिचय की आवश्यकता होगी। आने वाले कुछ वर्षों में यह प्रणाली स्थिर हो जाने पर मूल्यांकन कार्य में अधिक सटीकता, दक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी।

स्थानीय परिस्थितियों और सीमाओं को ध्यान में रखते हुए इससे जुड़े विभिन्न कार्यों की प्रक्रियाओं को सावधानीपूर्वक निर्धारित करना होगा, ताकि यह पूरी प्रक्रिया सुगम और सहज बने। शिक्षकों को ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन प्रणाली से परिचित कराने के लिए उन्हें नमूना उत्तरपुस्तिकाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा नए परिवेश में मूल्यांकन की प्रक्रिया का व्यावहारिक अनुभव कराया जा रहा है।

सीबीएसई को शिक्षकों, कंप्यूटरों की उपलब्धता आदि से संबंधित व्यापक आँकड़े एकत्र करने होंगे। इनमें से अधिकांश जानकारी उसके पास पहले से उपलब्ध है, किंतु शेष जानकारी भी शीघ्रता प्राप्त करनी होगी, ताकि विभिन्न विद्यालयों को उत्तरपुस्तिकाओं का उचित आवंटन किया जा सके। इस प्रक्रिया को किसी भी अनावश्यक कठिनाई से बचाने हेतु विद्यालयों तक स्पष्ट, सावधानीपूर्वक तथा पर्याप्त निर्देश पहुँचाना भी अत्यंत आवश्यक होगा।

मूल्यांकन की डिजिटल व्यवस्था तभी पूर्ण रूप से प्रभावी हो सकेगी जब परीक्षाएँ भी धीरे-धीरे डिजिटल माध्यम में आयोजित की जाएँ। इस दिशा में कंप्यूटर आधारित परीक्षाएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी। डिजिटल मूल्यांकन के माध्यम से पुनर्मूल्यांकन या अंकों के सत्यापन की प्रक्रिया भी अधिक सरल और तेज हो जाएगी। वर्तमान में कई विद्यार्थी और अभिभावक उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन की मांग करते हैं, क्योंकि वे दिए गए अंकों से संतुष्ट नहीं होते। भौतिक रूप से यह प्रक्रिया काफी समय लेने वाली होती है, लेकिन डिजिटल मूल्यांकन व्यवस्था के माध्यम से यह कार्य अधिक सहज और त्वरित हो सकेगा। उचित दिशा-निर्देशों और प्रशिक्षण के साथ यह नई पहल परीक्षा प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ उसकी गुणवत्ता और विश्वसनीयता को भी बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

अब नहीं लगेंगे उत्तरपुस्तिकाओं के ढेर!

कक्षा 12वीं की कॉपियों का मूल्यांकन होगा ऑनलाइन।

परीक्षा का समयः विद्यार्थियों के साथ संवेदनशील सहभागिता

डी. मणिवन्नन
■ संयुक्त आयुक्त (प्रशि.), के.वि.सं. (मु.)

फरवरी का महीना आते ही स्कूलों और घरों के वातावरण में एक स्वाभाविक बदलाव दिखाई देने लगता है। कक्षाओं में पढ़ाई का माहौल अधिक गंभीर हो जाता है, बातचीत पाठ्यक्रम और रिविजन पर केंद्रित होने लगती है और कई बार अच्छी तैयारी कर चुके विद्यार्थियों के मन में भी थोड़ी चिंता दिखाई देने लगती है। यह स्थिति तब भी उत्पन्न होती है, जबकि केन्द्रीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र के प्रथम दिवस से ही शिक्षण की सुविचारित योजना बनाई जाती है। मासिक परीक्षाएँ, आवधिक परीक्षण, प्री-बोर्ड और उपलब्धि परीक्षण जैसे अनेक मूल्यांकन होने के बावजूद परीक्षाएँ विद्यार्थियों को भारी और तनावपूर्ण लग सकती हैं। ऐसे संवेदनशील समय में विद्यार्थियों को अतिरिक्त दबाव नहीं, बल्कि विद्यालय और परिवार-दोनों से निरंतर सहयोग और सशक्त समर्थन की आवश्यकता होती है।

हमारे विद्यार्थियों के लिए यह जानना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि आप इस चरण का सामना अकेले नहीं कर रहे हैं। केन्द्रीय विद्यालय संगठन में एक सशक्त सहयोग तंत्र सदैव आपके साथ दृढ़ता से खड़ा है। आपके शिक्षक केवल यह नहीं बताते कि क्या पढ़ना है, बल्कि यह भी सिखाते हैं कि कैसे पढ़ना है। वे रटने की प्रवृत्ति के स्थान पर वैचारिक स्पष्टता विकसित करने पर बल देते हैं, ताकि आप विषयवस्तु को आत्मविश्वास के साथ समझ सकें और उसका प्रयोग कर सकें। सीबीएसई की परीक्षा पद्धति को स्पष्ट रूप से समझाया जाता है, जिससे आप अपने प्रयासों को सही दिशा में केंद्रित कर सकें। अंतिम सप्ताहों में आयोजित अध्ययन शिविर प्रश्नपत्र की रूपरेखा के अनुरूप सुव्यवस्थित पुनरावृत्ति का अवसर प्रदान करते हैं, जबकि केवीएस द्वारा तैयार विद्यार्थी सहायता सामग्री अंतिम समय की तैयारी के लिए एक विश्वसनीय साधन सिद्ध होती है। शिक्षक संदेश मंचों के माध्यम से विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान करने के लिए सदैव उपलब्ध रहते हैं, और परीक्षा के दिन परीक्षा केंद्र के द्वार तक उनकी उपस्थिति यह मौन संदेश देती है कि विद्यालय हर कदम पर आपके साथ है।

प्रिय अभिभावकगण, इस समय आपकी भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। बच्चे अपने आसपास के वयस्कों से भावनात्मक संकेत ग्रहण करते हैं, इसलिए आपका शांत और संतुलित व्यवहार ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति बन सकता है। कृपया अपनी चिंताओं और तनाव को बच्चों पर स्थानांतरित न करें। घर का शांत वातावरण, पर्याप्त नींद और सरल तथा संतुलित भोजन बच्चों को एकाग्र और स्थिर बनाए रखने में सहायक होते हैं। विद्यालय में हुई तैयारी पर विश्वास रखें और बच्चों पर अनेक गाइड पुस्तकों या अंतिम समय की अध्ययन सामग्री का अनावश्यक बोझ न डालें। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चों को अपनी स्वयं की क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने दें, न कि वे अधूरे सपने ढोने के लिए बाध्य करें। प्रत्येक बच्चे की बुद्धिमत्ता, रुचियाँ और क्षमताएँ अलग होती हैं, और इस सत्य को स्वीकार करना उनके आत्मविश्वास को उस दबाव की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी ढंग से विकसित करता है, जो अक्सर अनावश्यक अपेक्षाओं से उत्पन्न होता है।

जब विद्यालय और अभिभावक सामंजस्य के साथ कार्य करते हैं, तब परीक्षाओं का भय स्वतः कम हो जाता है। तब परीक्षाएँ सीखने की यात्रा का एक सार्थक चरण बन जाती हैं—ऐसा चरण, जहाँ विद्यार्थी स्वयं को समर्थित, समझा हुआ और अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन करने के लिए आत्मविश्वास से परिपूर्ण महसूस करते हैं।

परीक्षा पे चर्चा 2026

प्रधानमंत्री मोदी के साथ एग्जाम वॉरियर्स की प्रेरणादायी यात्रा

परीक्षा पे चर्चा 2026 का इस वर्ष एक नए और रोचक स्वरूप में आयोजन किया गया। प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसके 9वें संस्करण में विद्यार्थियों के साथ अनौपचारिक संवाद किया। 6 फरवरी को नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर आयोजित प्रथम सत्र में परीक्षा तनाव, सामाजिक जीवन और पढ़ाई के संतुलन, अंकों के साथ कौशल के महत्व तथा गेमिंग को एक रुचि के रूप में देखने जैसे विषयों पर विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं और चिंताओं पर चर्चा की गई।

9 फरवरी को आयोजित दूसरे सत्र में इस चर्चा का विस्तार देश के विभिन्न शहरों- कॉयम्बटूर, रायपुर, देवमोगरा और गुवाहाटी में किया गया, जो इसके व्यापक राष्ट्रीय पहुँच को दर्शाता है। मा. प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों के उत्साह और जिज्ञासा की सराहना की, जिससे यह पहल और अधिक संवादात्मक, आत्मीय और विद्यार्थी-केंद्रित बन गई।

9 वां संस्करण
परीक्षा पे चर्चा 2026

पीएम मीदी के परीक्षा मंत्र

- ✓ सभी की सलाह सुनिए, लेकिन अपनी कार्यशैली में परिवर्तन तभी कीजिए जब आप स्वयं उसे उचित समझें।
- ✓ जीवन में कभी ठहराव को स्वीकार न करें, सदैव आगे बढ़ने और अधिक प्राप्त करने का प्रयास करें।
- ✓ पढ़ाई और कला को अलग-अलग दृष्टि से न देखें।
- ✓ स्वयं अपने मार्गदर्शक बनें और अपनी क्षमताओं का उत्सव मनाएँ।

पीएम मीदी के परीक्षा मंत्र

- ✓ प्रतिस्पर्धा स्वयं से होनी चाहिए, दूसरों से नहीं।
- ✓ आपका हर छोटा कदम विकसित भारत @ 2047 के निर्माण में योगदान देगा।
- ✓ खेल को जीवन का हिस्सा बनाना जरूरी है।

PPC Anthem

परीक्षा पे चर्चा 2026 के लिए डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने पीपीसी एंथम की रचना की और उसे अनेक भाषाओं में प्रस्तुत किया, जो 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को सजीव रूप में दर्शाता है।

एंथम सुनने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

एपिसोड 1

पीपीसी 2026 के पहले एपिसोड में केन्द्रीय विद्यालयों में उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त श्री विकास गुप्ता ने के.वि.सं. मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय सेक्टर–2, आर.के. पुरम के विद्यार्थियों के साथ कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा। इसके बाद विद्यार्थियों के साथ एक प्रेरणादायी संवाद भी किया।

लाइव स्ट्रीम दर्शक संख्या

सहभागी विद्यार्थियों की संख्या	705808
सहभागी शिक्षकों की संख्या	43237
सहभागी अभिभावकों की संख्या	41380

एपिसोड 2

दूसरे एपिसोड ने भी कार्यक्रम की उत्साहपूर्ण गति को आगे बढ़ाते हुए देश के विभिन्न क्षेत्रों के विद्यार्थियों को आपस में जोड़ा और कार्यक्रम की संवादात्मक भावना को और मजबूत किया। इस दौरान केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त श्री विकास गुप्ता ने के.वि.सं. मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 3, दिल्ली कैंट के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति में कार्यक्रम के दूसरे एपिसोड का लाइव प्रसारण देखा।

लाइव स्ट्रीम दर्शक संख्या

सहभागी विद्यार्थियों की संख्या	612909
सहभागी शिक्षकों की संख्या	37833
सहभागी अभिभावकों की संख्या	25885

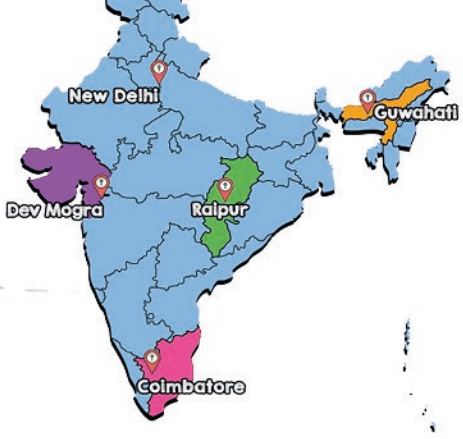

KVS की कुल दर्शक संख्या (एपिसोड–1 एवं एपिसोड–2) : 14,67,052

के.वि. के चार सितारे, पीपीसी के मंच पर चमके

मानसी
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, से.2, आर.के. पुरम
दिल्ली

निखिल आर. नायर
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, ओसीएफ अवाडी
चेन्नई

ललथलमुआनपुई पाचुआउ
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, आइज़ोल
सिलचर

पिनोतोलि काप्पो
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, दीमापुर
तिनसुकिया

परीक्षा पे चर्चा 2026 कार्यक्रम में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के चार विद्यार्थियों को जिज्ञासा, आत्मविश्वास और विद्यार्थी नेतृत्व की भावना का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित किया गया। इन विद्यार्थियों की भागीदारी के.वि.सं. के विद्यालयों में विकसित हो रही विविध प्रतिभा और शैक्षणिक उत्साह को दर्शाती है।

परीक्षा पे चर्चा 2026

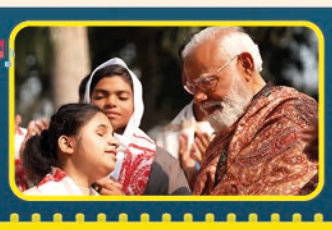

बढ़ता चल, कुछ करता चल...!

मानसी पपनई ने परीक्षा पे चर्चा में अपने भावपूर्ण गीत से मा. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को मंत्रमुग्ध किया।

क्यूआर कोड स्कैन करें और यह मनमोहक गीत सुनें।

दोनों एपिसोड का लाइव प्रसारण केन्द्रीय विद्यालय संगठन मुख्यालय, नई दिल्ली में भी देखा गया। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय विद्यालय मॉस्को के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास में आयोजित परीक्षा पे चर्चा 2026 की विशेष स्क्रीनिंग में भाग लिया, जहाँ भारत के राजदूत तथा अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, एएफएस बोरझार के विद्यार्थियों ने 'परीक्षा पे चर्चा 2026' का लाइव प्रसारण देखा। इस अवसर पर असम के माननीय राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य की गरिमामयी उपस्थिति रही।

श्रेष्ठ कार्यप्रणालियाँ

BEST PRACTICE

नवाचार और सहभागिता से सशक्त होती प्राथमिक शिक्षा

ताजुद्दीन शेख
■ उपायुक्त, के.वि.सं. क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलुरु संभाग

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के बेंगलुरु संभाग के प्राथमिक वर्गों में इस वर्ष शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया में कई नवाचार देखने को मिले हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप विद्यालयों में मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता (FLN) को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ समावेशी शिक्षा और विद्यार्थियों की जिज्ञासा को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न पहलें की जा रही हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना से प्रेरित यह पहल विद्यार्थियों में जिज्ञासा, सहभागिता और समावेशी सोच को भी प्रोत्साहित करती हैं। इन प्रयासों के माध्यम से विद्यालयों में ऐसा वातावरण विकसित किया जा रहा है, जहाँ हर बच्चा सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से जुड़ सके और मजबूत शैक्षणिक आधार के साथ आगे बढ़ सके।

समावेशी शिक्षा और FLN को सशक्त बनाने की पहल

समावेशी शिक्षा की दिशा में एक सराहनीय कदम के रूप में कक्षा 4 के विद्यार्थियों के लिए सांकेतिक भाषा की शुरुआत की गई है। सरल शब्दों से प्रारंभ हुई यह पहल अब छोटे-छोटे वाक्यों और संवादों तक पहुँच गई है। यह केवल एक कौशल नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में संवेदनशीलता, सहानुभूति और जागरूकता भी विकसित कर रही है। इसके माध्यम से पढ़ने की संस्कृति को भी नई ऊर्जा मिली है। विद्यार्थी अवकाश के समय अपने साथियों को पढ़ने में मार्गदर्शन देते हैं, जिससे विद्यालय के गलियारे साझा अधिगम के जीवंत स्थान बन गए हैं। इसके साथ ही कक्षा 2 के लिए फॉनिक्स कार्यक्रम तथा कक्षा 1 से 5 तक कॉरिडोर रीडिंग जैसी पहलें बच्चों के लिए पुस्तकों को अधिक सुलभ और आनंददायक बना रही हैं।

शैक्षणिक सहयोग और सामुदायिक सहभागिता

कक्षा 3 के विद्यार्थियों के लिए अबेकस प्रशिक्षण के माध्यम से गणित को अधिक सरल और आत्मविश्वासपूर्ण बनाया जा रहा है, जिससे बच्चों में संख्यात्मक समझ और गणना कौशल सुदृढ़ हो रहे हैं। इसके साथ ही अकादमिक लॉस कम्पेन्सेशन कार्यक्रम, मेगा पीटीएम तथा सामूहिक प्रार्थना सभाओं के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया निरंतर और प्रभावी बनी रहे। इन पहलों में अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है, जिससे विद्यालय और परिवार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो रहा है। इन सभी प्रयासों के माध्यम से के.वि.सं. बेंगलुरु संभाग के विद्यालय प्रभावी ढंग से ऐसी मजबूत शैक्षणिक नींव तैयार कर रहे हैं, जो विद्यार्थियों को जीवनभर सीखने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

संस्कृत प्रवाह

न हि कश्चिद्विजानाति किं कस्य श्वो भविष्यति।
अतः श्वः करणीयानि कुर्यादद्यैव बुद्धिमान्॥

अर्थ:

कल किस का क्या होगा यह कोई नहीं जानता है। इसीलिए बुद्धिमान व्यक्ति को चाहिए कि वह आने वाले कल का काम आज ही करें।

केन्द्रीय बजट 2026-27
के.वि.सं को मिली बड़ी सौगात

भारत सरकार ने केन्द्रीय विद्यालय संगठन के लिए बजट आवंटन बढ़ाकर ₹10,129.41 करोड़ कर दिया है, जो 2025-26 में ₹ 9,503.84 करोड़ था।

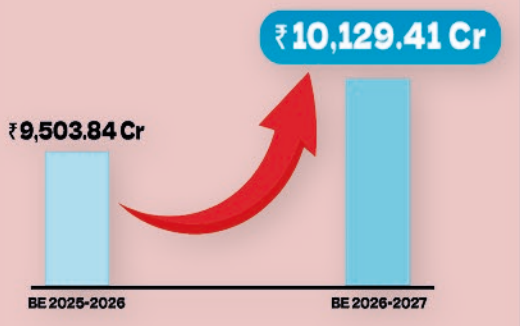

माह का वीडियो

QR कोड स्कैन करें और देखें!

'चक्रव्यूह'

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय खानापारा द्वारा मोबाइल फोन की लत पर आधारित एक लघु फिल्म

विचारणीय विचार

"सबसे उच्चतम सत्य, सब से सरल भी होता है।"

~ स्वामी विवेकानंद

फरवरी 2025 की झलकियाँ

फुटबॉल से फिटनेस की ओर बढ़ते कदम

दक्षिण दिनाजपुर, 28 फरवरी 2026: माननीय शिक्षा एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजुमदार ने पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, दक्षिण दिनाजपुर में (F4S) फुटबॉल फॉर स्कूल पहल के अंतर्गत विद्यार्थियों को फुटबॉल वितरित किए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में फिटनेस, खेल भावना और समग्र विकास को प्रोत्साहित करना है। यह कार्यक्रम शिक्षा मंत्रालय द्वारा अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ और फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इस पहल के अंतर्गत दक्षिण दिनाजपुर जिले में लगभग 1,700 फुटबॉल वितरित किए जा चुके हैं, जबकि पूरे पश्चिम बंगाल में 87,000 से अधिक फुटबॉल वितरित किए जा रहे हैं, जिससे लाखों विद्यार्थियों में खेल भावना का विकास हो रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में स्कूली शिक्षा के दौरान खेलों पर विशेष बल दिया गया है और यह पहल एनईपी 2020 के अनुरूप है।

के.वि.सं. आयुक्त ने किया निरीक्षण

फरीदाबाद: केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त श्री विकास गुप्ता ने पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 3 फरीदाबाद का निरीक्षण कर पीएम श्री योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अवसंरचना उन्नयन, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार तथा पीएम श्री योजना के उद्देश्यों के अनुरूप शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं के मूल्यांकन पर विशेष ध्यान दिया गया। अपने दौरे के दौरान आयुक्त ने विद्यार्थियों और शिक्षकों से संवाद किया, कक्षाओं, प्रयोगशालाओं तथा डिजिटल सुविधाओं का निरीक्षण किया और चल रही विभिन्न पहलों की समीक्षा की। उन्होंने प्रौद्योगिकी-सक्षम, समावेशी और भविष्य उन्मुख शिक्षण वातावरण विकसित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए नवाचारी शिक्षण पद्धतियों को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। के.वि.सं. आयुक्त का यह दौरा विद्यार्थियों और शिक्षकों को नया उत्साह और ऊर्जा प्रदान करने वाला था।

के.वि.सं. ने अर्जित किये कुल 10 राजभाषा पुरस्कार

अगरतला, 20 फरवरी 2026: राजभाषा हिन्दी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन, कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के व्यापक प्रयोग, तथा राजभाषा नीति के अनुपालन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए केन्द्रीय विद्यालय संगठन की विभिन्न इकाइयों को वर्ष 2024-25 के राजभाषा पुरस्कार से अलंकृत किया गया। के.वि.सं के 3 विद्यालयों, 6 क्षेत्रीय कार्यालयों एवं 1 जीट को मिलाकर कुल 10 कार्यालयों को यह सम्मान प्रदान किया गया। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित पूर्व, पूर्वोत्तर एवं उत्तरी क्षेत्रों का यह संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

33 केन्द्रीय विद्यालयों को मिला हरित विद्यालयों में स्थान

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (CSE) द्वारा देशभर के 433 चयनित विद्यालयों में से 33 केन्द्रीय विद्यालयों को भारत के सबसे हरित विद्यालयों में स्थान दिया गया है। यह उपलब्धि केन्द्रीय विद्यालयों की पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और पर्यावरण-अनुकूल पहलों के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसके साथ ही 3 केन्द्रीय विद्यालयों ने विशेष श्रेणी का पुरस्कार भी प्राप्त किया।

विशेष श्रेणी पुरस्कार:

पाँच वर्षों तक लगातार 'रेटेड ग्रीन': पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2, मंगलुरु
GSP एयर एक्शन अवार्ड: पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय झुंझुनू
GSP एनर्जी मैनेजर अवार्ड: पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय नरेला, दिल्ली

मातृभाषा दिवस: भाषाओं की रंगोली से सजे केन्द्रीय विद्यालय

21 फ़रवरी 2026 को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस सभी केन्द्रीय विद्यालयों में अत्यंत उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भारत की समृद्ध भाषायी विरासत को रेखांकित करते हुए भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान और गौरव प्रकट किया। विद्यालयों में विशेष प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया गया, जिनमें विभिन्न भारतीय भाषाओं में विचार, कविताएँ एवं संदेश प्रस्तुत किए गए। साथ ही भाषा-प्रदर्शनियों का आयोजन कर क्षेत्रीय भाषाओं की विशेषताओं, साहित्य एवं सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी मातृभाषाओं में लोकगीत गाए, कहावतें और सांस्कृतिक प्रसंग साझा किए और **'एकता में विविधता'** की भावना को सजीव रूप में अभिव्यक्त किया।

केन्द्रीय विद्यालयों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर दिया गया बल

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महान भारतीय वैज्ञानिक सर सी. वी. रमन द्वारा 'रमन प्रभाव' की खोज की स्मृति में देशभर के सभी केन्द्रीय विद्यालयों में 28 फरवरी 2026 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालयों में विशेष प्रातः सभाओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को इस दिवस के महत्व तथा सर सी. वी. रमन के विज्ञान के क्षेत्र में किए गए अद्वितीय योगदान से अवगत कराया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जीवन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जिज्ञासा और नवाचार के महत्व के बारे में प्रेरित किया। इस आयोजन ने वैज्ञानिक खोज और अनुसंधान के प्रति सम्मान की भावना को सुदृढ़ किया तथा विद्यार्थियों को जिज्ञासु और रचनात्मक सोच के साथ ज्ञान की खोज के लिए प्रेरित किया।

डिजिटल सुरक्षा की पाठशाला बने केन्द्रीय विद्यालय

10 फरवरी 2026 को देशभर के सभी केन्द्रीय विद्यालयों में "स्मार्ट टेक, सेफ चॉइसेज़–एआई के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग की खोज" विषय के साथ सुरक्षित इंटरनेट दिवस मनाया गया। यह आयोजन इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा सूचना सुरक्षा शिक्षा एवं जागरूकता (ISEA) परियोजना के अंतर्गत चलाए जा रहे राष्ट्रीय जागरूकता अभियान के अनुरूप आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालयों में जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से शिक्षकों, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों को ऑनलाइन सुरक्षा, साइबर स्वच्छता, प्रमुख साइबर खतरों, उनके निवारण उपायों तथा इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में जागरूक, जिम्मेदार और सुरक्षित डिजिटल नागरिकता की भावना को प्रोत्साहित किया गया।

~ के.वि.सं. के धुरंधर ~

जेईई (मेन) 2026 में आशी ग्रेवाल ने किया टॉप

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हिसार कैन्ट की छात्रा आशी ग्रेवाल ने जेईई (मेन) 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान हासिल किया। आशी ने 99.9 परसेंटाइल प्राप्त कर महिला वर्ग में टॉपर बनकर इतिहास रचा है। आशी ग्रेवाल की इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर केन्द्रीय विद्यालय संगठन गौरवान्वित अनुभव करता है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

जीवंश ने किया 8 पदकों पर कब्जा

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय मल्लेश्वरम के छात्र जीवंश सुब्रमण्यम ने बैंकॉक में आयोजित एओएसआई स्विमिंग चौम्पियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य पदक जीतकर देश और विद्यालय का मान बढ़ाया। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय प्रतिभा की चमक को और भी उजागर किया है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन की ओर से हार्दिक बधाई।

ताशकंद में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे रुद्र

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय ए.एफ.एस. तुगलकाबाद के छात्र रुद्र रॉय ने 6 फरवरी को पुणे में आयोजित 27वीं एशियन ताइक्वांडो चैम्पियनशिप के जूनियर वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। रुद्र के इस अद्भुत प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में आयोजित होने वाली विश्व ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए हुआ है।

योग में स्वर्ण

मध्य प्रदेश के उज्जैन में आयोजित खेलो एमपी स्टेट चैम्पियनशिप में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2 जीसीएफ जबलपुर की छाला दिव्या ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

मध्य प्रदेश के उज्जैन में आयोजित खेलो एमपी स्टेट चैम्पियनशिप में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2 जीसीएफ जबलपुर के छात्र एरको ने योग में अपने कौशल का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

समक्ष अशोक बने 'कैंडिडेट मास्टर 2026'

केन्द्रीय विद्यालय डीआरडीओ के कक्षा 6 के विद्यार्थी समक्ष अशोक ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्हें अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ द्वारा 'कैंडिडेट मास्टर 2026' के प्रतिष्ठित ख़िताब से नवाजा गया। समक्ष को यह ख़िताब शतरंज प्रतियोगिताओं में उनके लगातार उत्कृष्ट एवं प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया।

एआई क्विज़ में विजेता बनीं अर्चना जायसवाल

के.वि.सं. क्षेत्रिय कार्यालय लखनऊ की सहायक आयुक्त सुश्री अर्चना जायसवाल ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित एआई क्विज़ प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें सम्मानस्वरूप अंगवस्त्र एवं एआई-सक्षम लैपटॉप प्रदान किया गया।

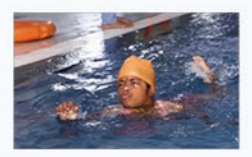

तैराकी में खेल भावना का शानदार प्रदर्शन

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पिकेट, हैदराबाद में कक्षा 4 की छात्रा सी. नक्षत्रा ने चेन्नई में 29 से 30 जनवरी 2026 तक आयोजित एशिया पैसिफिक डाउन सिंड्रोम फेडरेशन गेम्स में अकल्पनीय प्रदर्शन करते हुए के.वि.सं को गौरवान्वित किया। नक्षत्रा ने तैराकी में अपनी खेल भावना का शानदार प्रदर्शन करते हुए 100 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक तथा 25 मीटर वर्ग में रजत पदक अर्जित किया।

संरक्षक: विकास गुप्ता, *आईएएस*, आयुक्त, के.वि.सं.
प्रधान संपादक: चंदना मंडल, अपर आयुक्त (शै.)
संपादक मंडल: सोमित श्रीवास्तव संयुक्त आयुक्त (शै.)
रत्ना पाठक, सहायक शिक्षा अधिकारी
सचिन राठौर, सहायक संपादक
सहभागी: समस्त केन्द्रीय विद्यालय
सभी संभाग अपनी टिप्पणी और विशेष स्टोरी निम्न मेल आईडी पर भेज सकते हैं: kvschronicle@gmail.com
© केन्द्रीय विद्यालय संगठन
यह ई-प्रकाशन केवल आंतरिक वितरण हेतु के.वि.सं. (मु.) द्वारा प्रकाशित।